पिमीन्टा के पेनकेक

फ्रायो घाटी में जब हम अपने मवेशियों को घेरने में लगे हुए थे, एक दिन मेरे घोड़े की रिकाब में एक सूखे ठूँठ की डाली में उलझ गयी जिससे मेरी एडी को इतने जोर का झटका लगा कि मुझे एक हफ्ते तक बिस्तर में पड़ा रहना पड़ा।

इस जबरदस्ती के आराम के तीसरे दिन, मैं लँगड़ाता हुआ बाहर आया और रसोईघर में जाकर हमारे रसोइये जडसन ओडोम की निकम्मी बकवास सुनता हुआ पड़ा रहा। और कोई चारा नहीं था। जड को स्वगत भाषण करनेकी आदत थी, परन्तु भाग्य ने अपनी स्वाभाविक भूल से उसे एक ऐसे पेशे में डाल दिया था जहाँ अधिकतर श्रोताओं का अभाव होता है।

मेरी उपस्थिति जड के लिए गूँगे का गुड़ हो गयी। कुछ देर बाद मेरे मन में कुछ ऐसी चीज़ खाने की इच्छा हुई जो 'पथ्य' में शुमार न होती थी। बीमारों का मन हमेशा परहेज की वस्तु खाने पर ही ललचाता है। मुझे बचपन की याद आने लगी जब हम माँ के भण्डारघर में घुस जाते थे, जो प्रथम प्रेम के समान गहरा था और जिसमें न घुस पाने का विक्षोभ हमें पागल कर देता था।

मैंने पूछा, "जड क्या तुम पेनकेक (लिट्टी) बनाना जानते हो?" जड उस समय अपनी बन्दूक से हिरन के माँस को कूट कर कीमा बनाने की कोशिश कर रहा था। बन्दूक एक तरफ रख कर उसने मेरी ओर ऐसी दृष्टि से देखा मानो मुझे धमका रहा हो। अपनी नीली आँखों से मेरी ओर शंकाभरी दृष्टि डालकर उसने मेरी इस मान्यता का मानो समर्थन किया।

बहुत अधिक तो नहीं, पर स्पष्ट रूप से अपनी नाराज़ी प्रकट करता हुआ वह बोला, "यह बात तुमने साधारण ढंग से पूछी है या मुझे चिढ़ाने के लिए? शायद किसीने तुमसे मेरी पेनकेक वाली कहानी कही है।"

मैंने सरलता से कहा "नहीं जड, मैं तो सहज पूछ रहा था। मुझे ऐसा लग रहा है कि अगर कुछ गरमागरम, मक्खन लगे हुए, पेनकेक और पहली फ़सल के गुड़ का शर्बत मिल जाये तो मैं अपने घोड़े और जीन तक का सौदा कर दूँ। परन्तु वह केक वाली कहानी क्या है?"

मै उसकी किसी कमज़ोरी पर चोट नहीं कर रहा हूँ, यह जानकर जड शान्त हो गया। चौके में से थैलियों और कुछ अजीब से टिन के डब्बों को लाकर उसने जामुन के उस पेड़ के नीचे इकट्ठा किया, जहाँ मैं बैठा हुआ था। मेरे देखते हुए उसने उनकी डोरियाँ खोलीं और आराम से उन्हें जमाने में लग गया।

काम करते-करते वह बोला, "कहानी तो नहीं है, परंतु मेरे, उस मायर्ड-म्यूल-कनाडा के निवासी, गुलाबी आँखों वाले, आलसी, कायर और कुमारी बिलीला ली राईट के सम्बन्धों का तर्कसंगत उद्घाटन मात्र है। तुम्हें सुनाने में कोई हर्ज नहीं।"

"उन दिनों मैं बिल ट्रूमी के साथ मिगल गोचर में मवेशियों को सम्हाला करता था। एक दिन मुझे कोई ऐसी चीज़ खाने की उत्कट इच्छा हुई जो रोजमर्रा खाने को मिलने वाले गाय बकरी या भेड़ के मांस से अन्यथा हो। मैं अपने घोड़े पर बैठ कर हवा से बातें करता हुआ पिमीन्टा क्रासिंग में एम्सली टैलफेयर चाचा के स्टोर पर पहुँचा।

"तीसरे पहर करीब तीन बजे मैने घोड़े की लगाम एक पेड़ से बाँध दी और कोई बीस कदम पैदल चल कर स्टोर में पहुँचा। गल्ले पर चचा एम्सली बैठे थे। मैंने उनसे कहा, 'आज तो दुनियाँ भर के फलों के नष्ट हो जाने के असार नज़र आते हैं।' दूसरे ही क्षण चचा ने मेरे सामने एक तश्तरी में बिस्कुट, एक लम्बा-सा चम्मच और एक एक डब्बा खुबानी, अनन्नास, चेरी और हरे आड़ू लाकर रख दिये। और खुद कुल्हाड़ी से रताल् खोदने में लग गये। मेरी दशा उस समय सेब खाने की भगदड़ से पहिले आदम के समान हो रही थी। मैं गल्ले पर झुका हुवा चौबीस इंची चम्मच की सहायता से अपने काम में लगा हुआ था कि एकाएक मेरी नज़र चचा एम्सली के मकान के अहाते में पड़ी, जो उनकी दुकान से सटा हुआ था।

"वहाँ एक लड़की खड़ी थी। उसके कपड़ों से लगता था कि वह परदेशी है। वह क्राकेट के बल्ले को घूमाती हुई, मेरे द्वारा फलों के व्यवसाय को

उत्तेजित करने के प्रयत्न को देख कर, मुदित हो रही थी। मैं गल्ले के पास से हट गया और चम्मच चचा एम्सली को थमा दिया।

"वे बोले, 'वह मेरी भानजी है—कुमारी विलीला लीराइट। फिलिस्तीन से घूमने आयी है। क्या मैं उससे तुम्हारी जान पहचान करवा दूँ?'

"मैंने अपनी छलाँगे भरती हुई भावनाओं की लगाम खींचते हुए सोचा, 'वाह, नेकी और पूछ पूछ! फिलिस्तीन तो शायद परियों का देश है। और प्रकट रूप से बोला, 'जरूर—चचा, जरूर! मिस लीराइट से मिलकर मुझे बहुत खुशी होगी।'

"उन्होंने मुझे साथ ले जाकर हमारी जान पहिचान करवादी।"

स्त्रियों से मैं झिझकता नहीं हूँ। मेरी समझ में नहीं आता कि सुबह नाश्ते से पहिले किसी जंगली घोड़े को वश में कर सकने वाले, घोर अँधेरे में दाढ़ी बना सकने वाले बड़े बड़े वीरों का भी, घाघरा पहिनी हुई किसी गुड़िया को देखते ही क्यों पसीना छूट जाता है और वे हक्केबक्के होकर क्यों हकलाने लगते हैं। सात आठ मिनट में ही मैं और कुमारी विलीला, क्राकेट की गेदों को इतनी घनिष्ठता से फेंक रहे थे मानों हम निकट के सम्बन्धी हों। उसने मेरे फलों की खुराक पर ताना कसा तो मैंने इसका सनसनाता हुआ उत्तर दिया कि फिलिस्तान में रहने वाली उसी की जाति की एक श्रीमती "हौव्वा" ने फल को लेकर खुल्द के उस बगीचे में कितनी गड़बड़ी पैदा कर दी थी। मैंने यह बात इतनी आसानी से कह दी मानों साल भर की बछिया को घेर रहा हूँ।

"इस प्रकार मैंने कुमारी विलीला लीराइट से घनिष्ठता और निकटता स्थापित कर ली जो समय के साथ बढ़ती ही रही। पिमीन्टा क्रासिंग की आबहवा में, जो फिलीस्तीन से चालीस प्रतिशत ज्यादा गरम थी वह अपना स्वास्थ्य सुधारने आयी थी (जो बिल्कुल अच्छा दिखाई देता था)। कुछ दिनों तक तो मैं सप्ताह में एक बार उससे मिलने जाता परन्तु फिर मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी मुलाकातों की संख्या दुगनी कर दूँ तो मैं उसे दुगने समय तक देख पाऊँगा।

"एक बार मैं सप्ताह में तीसरी बार उसके यहाँ पहुँचा और इसी बार कहानी से उस कायर आलसी का और पेनकेक का सम्बन्ध जुड़ा।

'शाम को गल्ले के सामने बैठ कर मुँह में एक साबुत आड़ू और दो तीन बेर ठूँसते हुए मैंने चचा एम्सली से पूछा, 'कहिये, मिस विलीला के क्या हाल हैं?'

'उन्होंने जवाब दिया, 'वह अभी अभी मायर्ड ग्यूल कनाडा के गडरिये बर्ड के साथ घुड़सवारी करने गयी है।'

"मैं, आड़ू और बैरों को गुठलियों समेत निगल गया और बाहर भागा। मुझे ऐसा लगा मानों मुझे गल्ले के साथ लगाम लगा कर जकड़ दिया गया था। बड़ी मुश्किल से भागता हुआ मै उस पेड़ के नीचे पहुँचा जहाँ मेरा घोड़ा बँधा हुआ था।

"मैंने घोड़े के कान में फुसफुसाया, 'प्यारे दोस्त, पता है वह, उस भाड़े के टट्टू गडरिये—क्या नाम है उसका, बर्डस्टोन जैक के साथ घुड़सवारी करने गयी है!'

"मेरा वह दिलदार घोड़ा अपने ढंग से रो उठा। जीवन भर उसने गायें घेरने का काम किया था इसलिए उसे आलसी गडरियों की विशेष परवाह नहीं थी।

"मैंने वापस जाकर चचा एम्सली से पूछा, 'आपने क्या कहा था—गडरिया?'

"हाँ, हाँ गडरिया! तुमने उसका नाम भी सुना होगा—जैकसन बर्ड! उसके पास आठ कोस का गोचर है और चार हज़ार बढ़िया नस्ल की भेड़ें हैं, जो संसार में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती हैं।'

"दुकान से बाहर निकल कर मैं नागफनी की मेंढ़ के सहारे छाया में बैठ गया। अन्यमनस्क होकर मैं अपने जूतों में रेत भरने लगा और जैक्सन नाम धारी इस पंछी के सम्बन्ध में अपने आपसे बड़बड़ाने लगा।

"अब तक मैंने कभी किसी निरीह गडरिये को परेशान करने की बात भी नहीं सोची थी। एक दिन मैंने एक गडरिये को घोड़े पर बैठकर लैटिन भाषा का व्याकरण पढ़ते हुए देखा। उसी दिन से गडरियों के प्रति मैं उदासीन हो गया। ग्वालों को देखकर तो मुझे गुस्सा आता है, पर गडरियों को देखकर कभी नहीं। सोचिये इस उम्र में टेबल पर बैठ कर खाने वाले, सोफियाना जूते पहनने वाले और कर्ता, कर्म, क्रियापद की बकवास करने वाले उन आलसी जीवों से क्या उलझना! मैंने खरगोश जैसे उन प्राणियों की सदा ही उपेक्षा की। चलते चलते दुआ सलाम या मौसम सम्बन्धी बात भले ही पूछ लूँ, पर इससे ज्यादा नहीं। गडरियों से दुश्मनी! वे बिचारे इस

काबिल ही कहाँ होते हैं। और चूँकि मैं उदार हूँ और उन्हें अब तक जीवित रहने दिया, उसका आज यह बदला मिला कि मिस बिलीला ली राइट के साथ उन्हीं में से एक घुड़सवारी करने चला गया!

"कोई एक घंटे बाद वे वापिस लौटे और चचा के मकान के दरवाजे पर खड़े रहे। गडरिये ने उसकी घोड़े से उतरने में मदद की और कुछ देर तक हँसी खुशी गपशप करते रहे। फिर वह पंछी, घोड़े की जीन पर उछला, अपना हंडानुमा टोप उठाया और अपने गोचर की दिशा में उड़ गया। तब तक मैं अपने जूतों से रेत निकाल कर नागफनी के काँटों से अपने कपड़ों को छुड़ा चुका था। वह पिमीन्टा से आधी मील दूर पहुँचा होगा कि मैंने उसे जा घेरा।

"पहले मैं कह चुका हूँ कि उसकी आँखें गुलाबी थीं पर बात ऐसी नहीं थी। उसकी दृष्टि का फाटक तो भूरा ही था परन्तु पलकें गुलाबी थीं और बाल मटमैले; इसलिए ऐसा आभास होता था। गड़रिया? अजी वह तो उससे भी गया बीता था। गले में पीला रूमाल लपेटे और जूते की डोरी करीने से बांधे—एक तुच्छ-सा आदमी।

"मैंने कहा, 'नमस्कार! आपके साथी घुड़सवार का नाम जडसन है। बन्दे को "तीरन्दाज" भी कहते हैं क्योंकि मेरा निशाना कभी खाली नहीं जाता। जहाँ मैं किसी अजनबी से मिलता हूँ तो मुठभेड़ से पहले ही अपना परिचय देता हूँ क्योंकि मैं उसके मरने के बाद उसके भूत से हाथ मिलाना पसन्द नहीं करता।'

"वह बोला, 'मिस्टर जडसन, आपसे मिल कर बड़ी खुशी हुई। मेरा नाम जैकसन बर्ड है और मैं मायर्ड म्यूल के गोचर में रहता हूँ।'

"उसी समय मैंने एक आँख से एक बाज को अपनी चोंच में बड़ी मकड़ी दबाये हुए, उड़ता देखा और दूसरी आँख से देखा एक गिद्ध को देवदार के पेड़ पर माँस का टुकड़ा चचोड़ते। मैंने सिर्फ उसे दिखाने के लिए अपनी बन्दूक से एक के बाद एक को मार गिराया और बोला, 'तीन में से दो तो खतम हुए। मैं जहाँ भी जाता हूँ पंछियों को देखकर मेरी बन्दूक काबू में नहीं रहती।'

"बिना परेशानी दिखाये गडरिया बोला, 'वाह, निशाना तो बढ़िया है। पर कभी कभी तीसरा निशाना आप चूक जाते होंगे। पिछले हफ्ते जो बारिश पड़ी थी, वह घास के लिए बहुत अच्छी है। क्यों?'

चला आता है परन्तु बाहर वालो को वे कुछ भी बताते नहीं। अगर मुझे यह तरीका मालूम हो जाय तो गोचर के निर्जन मे अपने हाथो वैसे केक बना लूँ। बस, जीवन सुखी हो जाय!'

मैने उससे पूछा, 'क्या मै विश्वास करूँ कि केक बनाने वाले हाथो पर तुम्हारी नजर नही है।'

"जैक्सन ने कहा, 'बेशक! वैसे तो मिस ली राइट बहुत ही अच्छी लडकी है, पर मेरा इरादा पटरस '

मेरा हाथ बन्दूक की तरफ जाता हुआ देख कर उसने इन शब्दो को चबा लिया और बोला, 'मे तो सिर्फ केक बनाने की पाकविधि जानना चाहता हूँ।'

"ईमानदारी के नाते मैंने उससे कहा 'तुम उतने बुरे तो नही लगते। मैं तो सोच रहा था कि तुम्हारी भेडे लावारिस हो जायेगी। परन्तु जाओ इस बार तुम्हे माफ किया। लेकिन ध्यान रहे, केक के सिवाय और कुछ मत कर बैठना। अपनी नजर आटे चीनी तक ही रखना। वर्ना तुम्हारे घर पर मर्सिये पढे जायेंगे और तुम सुन भी नही सकोगे।'

"गडरिया बोला, 'मेरी सचाई का तुम्हे विश्वास दिलाने के लिए मै चाहूँगा कि तुम मेरी मदद करो। देखो, तुम मिस ली राइट के घनिष्ठ मित्र हो। हो सकता है कि जो काम वह मेरे लिए न करे वह तुम्हारे लिए कर दे। केक की पाकविधि उनसे लिखवा कर तुम यदि मुझे दे दो तो मै वादा करता हूँ कि दुबारा उससे फिर कभी नही मिलूँगा।'

"मैने जैक्सन बर्ड से हाथ मिलाते हुए कहा, 'यह बात ठीक है। मै तुम्हारा काम करने की पूरी कोशिश करूँगा और उससे मुझे खुशी ही होगी।' इसके बाद वह मायर्ड म्यूल की दिशा मे चला गया और मै उत्तर पश्चिम की ओर बिल टूमी के गोचर मे लौट आया।

"पॉच दिन बाद पिमीन्टा जाने का फिर मौका पड़ा। चचा एम्सली के घर हमने वह सॉझ बडे आनन्द से गुजारी। विलीला ने गाना गाया और कुछ देर तक नाटकीय गाने पियानो पर बजाने की कोशिश की। मैने सॉप की नकल करके दिखाई और स्नेकी मैकफी द्वारा अविष्कृत मवेशियो की खाल उधाडने के नये तरीको को समझाया और एक बार मैने जो सेट लुई की यात्रा की थी उसका वर्णन किया। एक दूसरे की नजरो में हम काफी ऊँचे उठ चुके थे और मै सोचने लगा कि अगर जैकसन

इस नाटक से बाहर निकल जाता है तो निश्चित जीत मेरी है। पेनकेक की पाकविधि के सम्बन्ध में जैकसन ने जो वादा किया था वह मुझे याद आया। मैंने सोचा कि मिस विलीला को समझा बुझा कर मैं उसे प्राप्त कर लूँ और उसके बाद फिर कभी जैकसन बर्ड वहाँ दिखाई दे, तो उसकी हड्डियाँ तोड़ दूँ।

"इसलिए करीब दस बजे मैंने अपने चेहरे पर चापलूसी की मुस्कराहट लाते हुए मिस विलीला से कहा, 'सुनो, हरे भरे मैदान में चरते हुए किसी लाल घोड़े से भी अधिक अगर मुझे कोई चीज प्रिय है तो वह है गरमागरम रस टपकते पेनकेक!"

मिस विलीला चौंक कर पियानो से उठ खड़ी हुई और विचित्र प्रकार से मेरी ओर देखती हुई बोली, 'हाँ, हाँ पेनकेक बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन उस रोज सैंट लुई के जिस बाजार में आपका टोप खो गया था, उसका नाम क्या था?'

"मैंने आँख मारते हुए कहा, 'केक बाजार।' मैं यह दिखाना चाहता था कि चाहे जैसे भी हो, मैं केक की पाकविधि जानकर ही रहूँगा और वह इतनी आसानी से मुझे टाल नहीं सकेगी। मैंने बात को चालू रखा, 'अब बहाने मत बताओ विलीला, बताओ केक कैसे बनाती हो! जल्दी करो। इस समय मेरे दिमाग में केक, गाड़ी के पहिये की तरह घूम रहे हैं। शुरू करो—देखें। एक सेर आटा, आठ दर्जन अण्डे; वस्तुओं की सूची में और क्या क्या लिखूँ?'

"माफ करना मैं एक मिनिट में आयी!' कहती हुई विलीला अपनी आँखों की कोर से मुझे तिरछी नजर से देखती हुई स्टूल से उठ खड़ी हुई और दूसरे कमरे में चली गयी। एक क्षण बाद ही कमीज की बाँहों को चढ़ाते हुए चचा एम्सली हाथ में एक सुराही लिये कमरे में आये। गिलास लेने को वे मुड़े तो मैंने देखा कि उनकी कमर पर एक भारी बन्दूक लटक रही थी। मैंने सोचा, ताज्जुब है। इस खानदान में तो खाना बनाने की विधियों को भी बहुत सम्हाल कर रखा जाता है—इतनी भारी बन्दूक से उनकी रक्षा की जाती है। खानदानी दुश्मनी का फैसला करने के लिए भी लोग इतना भारी हथियार नहीं रखते।

"पानी का एक गिलास मुझे देते हुए चाचा एम्सली बोले, 'इसे पीओ, जड! आज बहुत दूर तक तुमने घुड़सवारी की है और तुम कुछ ज्यादा

उत्तेजित हो गये हो। ठंडा पानी पीओ और किसी दूसरी चीज़ के सम्बन्ध में सोचने की कोशिश करो।'

"मैं उनसे भी पूछ बैठा, 'चचा एम्सली क्या आप पेनकेक की पाक-विधि जानते हैं?'

"चचा एम्सली ने कहा, 'मैं ज्यादा तो नहीं जानता पर मेरा अन्दाज है कि केक बनाने में थोड़ा-सा आटा, कुछ खड़िया मिट्टी, खाने का सोडा कुछ मक्का, दो चार अण्डे और थोड़ी सी छाछ — इन सब चीजों को मिलाया जाता है। क्यों जड, क्या तुम्हारे मालिक इस साल भी केंसस सिटी को मवेशी भेजेंगे?'

"केक के सम्बन्ध में उस दिन इससे ज्यादा बात नहीं हो सकी और जैकसन को यह बात जानने में इतनी कठिनाई क्यों हुई, इसका मुझे अन्दाज हो गया। इसलिये मैं विषय बदल कर चचा एम्सली से मवेशियों के नस्ल की और आँधी-तूफान की बातें करने लगा। मिस विलीला ने आकर विदा ली और मैं घर की ओर चला।

"इसके एक सप्ताह बाद मुझे जैकसन वर्ड के दर्शन हुए। मैं पिमीन्टा जा रहा था और वह वहाँ से लौट रहा था। सड़क के बीच में खड़े होकर हम गपशप करने लगे।

"मैंने पूछा, 'केक बनाने का तरीका कुछ मालूम पड़ा?'

"उसने कहा, 'नहीं, मुझे तो कुछ हाथ नहीं आया, तुमने कोशिश की?'

"मैंने कहा, 'मैंने बहुत कोशिश की। लेकिन वह तो तेल में से कौड़ी निकालने जैसी सिद्ध हुई। उस पाकविधि को वे लोग इतना सम्हालकर रखते हैं जैसे वह कोई भारी खजाना हो।'

"यह सुनकर जैकसन इतना निराश हो गया कि मुझे उस पर दया आ गयी। वह बोला, 'मुझे ऐसा लगता है कि अब यह बात छोड़ ही देनी पड़ेगी। पर गोचर के सन्नाटे में मुझे केक खाने की बहुत इच्छा होती है। मैं रात रात भर जागता रहता हूँ और सोचता रहता हूँ कि केक भी क्या मजेदार चीज़ है।'

"मैंने कहा, 'तुम भी कोशिश करते रहो और मैं भी करता हूँ। किसी न किसी के जाल में तो वह जरूर फँस जायेगी। अच्छा। नमस्ते।'

"इस समय तक हमारे सम्बन्ध एकदम मैत्री के हो चुके थे। जब से मुझे यह विश्वास हो गया कि उसकी नजर मिस विलीला

पर नही है, मै उस आलसी गडरिये के प्रति काफी सहिष्णु हो गया था। उसके पेट की माँग पूरी करने के लिए मैने मिस विलीला से केक की पाकविधि जानने की कोशिश जारी रखी। पर न जाने क्यो मेरे मुँह से 'केक' शब्द निकलते ही उसकी आँखो मे एक सूनापन और अस्वस्थता छा जाती और वह तुरन्त ही बातचीत का विषय बदलने की कोशिश करती। अगर मै अपनी बात पर अडा रहता तो वह उठकर बाहर चली जाती और मुझे एक हाथ मे सुराही लिये, कन्धे पर बन्दूक लटकाये हुए चचा एम्सली का मुकाबला करना पडता।'

"एक दिन आते हुए मैने एक मैदान मे नये खिले, नीले बनफूलो को तोड कर गुच्छा बना लिया और चचा की दुकान पर पहुँचा।

"चचा ने एक आँख बन्द करके पूछा—'क्या तुमने सुना?'

"क्या? क्या मवेशियो के दाम बढ गये?'

"पैलस्टाइन मे कल जैकसन बर्ड और विलीला का विवाह हो गया। मेरे पास सुबह ही चिट्ठी आयी है।'

"मैने उन फूलो को बिस्किट के डब्बे मे फेंक दिया। यह समाचार मेरे कानो से प्रविष्ट होकर, हृदय को बेधता हुआ मेरी सारी चेतना पर छा गया।

"मैने चचा से पूछा, 'आपने क्या कहा? जरा फिर से तो कहिए। मैं आजकल शायद कुछ ऊँचा सुनने लगा हूँ। आप शायद यह कह रहे थे कि बढिया किस्म के मवेशियो का भाव बढकर ४८० डालर हो गया है।'

"चचा बोले, 'नही, नही, मै तो कह रहा था कि कल उनकी शादी हो गयी और वे सुहागरात मनाने के लिए नियाग्रा गये है। क्या इतने दिनो मे तुम्हे कुछ भी मालूम नहीं पडा? जैकसन बर्ड तो जिस दिन से उसके साथ घुडसवारी करने गया था, उसी दिन से उसकी प्रेमाराधना कर कर रहा था।'

"मैने चिल्ला कर पूछा, 'तो फिर यह केक की बकवास क्या थी?' मेरे मुँह से 'केक' शब्द सुनते ही चचा एम्सली कतरा कर दो कदम पीछे हट गये।

"मैने फिर पूछा, 'इस केक की बकवास को लेकर मुद्दत हुई कोई मुझे बेवकूफ बना रहा है। लेकिन मै जानकर रहूँगा। तुम शायद जानते हो। जल्दी बताओ वर्ना मै अभी तुम्हारा कचूमर निकाल दूँगा।'

"मैं चचा एम्सली के पीछे गल्ले के दूसरी ओर गया। उन्होंने बन्दूक निकालने की कोशिश की परन्तु वह आलमारी में रखी थी। मैंने उन्हें पहले ही पकड़ लिया और कमीज के कालर से झकझोरते हुए कोने में धकेल दिया।

"मैंने कहा, 'केक के सम्बन्ध में सब बातें बताओ, वर्ना मैं तुम्हारा ही केक बना दूँगा। क्या मिस विलीला केक बनाना जानती है?'

"चचा एम्सली ने शाँति से कहा, 'न तो उसने जीवन में कभी केक बनाया और न मैंने उसे बनाते देखा। शान्त हो जाओ जड, शान्त हो जाओ। तुम खामखाँ उत्तेजित हो रहे हो और सिर के उस घाव ने तुम्हारा दिमाग खराब कर दिया है। केक का विचार छोड़ देने की कोशिश करो।'

"मैंने कहा, 'चचा एम्सली, मेरे सिर में कोई घाव-आव नहीं है। मैं फक्कड़ जरूर हूँ। जैकसन बर्ड ने मुझसे कहा था कि वह मिस विलीला के पास सिर्फ केक की पाकविधि जानने के लिए ही आता है। इसमें उसने मेरी मदद चाही। मैंने वही किया। और नतीजा आप देख ही रहे हैं। क्या वह बेवकूफ, आलसी गडरिया मुझे बिल्कुल उल्लू बना गया?'

"चाचा एम्सली ने कहा, 'भई मेरा कालर तो छोड़ो—मैं सब बताता हूँ। मालूम तो यही पड़ता है कि जैकसन बर्ड ने तुम्हें खूब बनाया है। जिस दिन वह विलीला के साथ घूमने गया, उसके दूसरे ही दिन आकर हमसे कहा, कि जब जब तुम केक की बात करो तब तब हम सतर्क हो जायें। उसने कहा कि एक बार पिकनिक में केक बनाये जा रहे थे और तुम्हारे एक साथी ने तुम्हारे सिर पर तवा दे मारा था। नतीजा यह हुआ कि उसी दिन से, जब कभी तुम ज्यादा परेशान या उत्तेजित होते हो, तब तुम्हारे सिर का वह घाव तुम्हें पागल-सा बना देता है और तुम 'केक' 'केक' रटने लगते हो। उसने यह भी कहा कि इस हालत में तुम्हें शान्त करने का यही तरीका है कि बातचीत का विषय बदल दिया जाये। तब तुम कोई नुकसान नहीं करोगे। इस हालत में, मैंने और विलीला ने तुम्हारे हक में ठीक ही किया है। हाँ, इतना मानना पड़ेगा कि यह जैकसन बर्ड नाम का गडरिया निकला बड़ा चालाक।"

जड की कहानी समाप्त हो गयी। कहानी कहते कहते जड धीरे धीरे चतुराई से डिब्बों और थैलियों की चीज़ों को मिलाता जा रहा था। कहानी

समाप्त होते ही उसने मेरे सामने तैयार चीज़ें रख दीं। टिन की एक तश्तरी में दो बढ़िया गरमागरम सुनहरी पेनकेक। किसी ज्ञात स्थान से वह एक बोतल शरबत और कुछ ताजा बढ़िया मक्खन भी ले आया था।

मैंने उससे पूछा, "यह घटना कब हुई थी?"

जड बोला, "कोई तीन साल हो गये। वे दोनों आजकल मायर्ड म्यूल के गोचर में रहते हैं, पर मैंने तबसे उनमें से किसी को नहीं देखा। लोग कहते हैं कि जैकसन बर्ड एक तरफ तो केक का चकमा देकर मुझे बना रहा था और दूसरी तरफ अपने बंगले को बढ़िया आराम कुर्सियों और सुन्दर पर्दों से सजा रहा था। कुछ दिन बाद मैं तो इस बात को भूल सा गया परन्तु यारों को मुझे चिढ़ाने का साधन मिल गया।"

मैंने पूछा, "क्या ये पेनकेक तुमने उसी तरीके से बनाये हैं?"

जड बोला, "मैंने कहा ना, पेनकेक की पाकविधि नाम की कोई चीज़ थी ही नहीं। लोगों ने तो तमाशा बना दिया। मुझे देखते ही 'केक' 'केक' चिल्लाने लगते, यहाँ तक कि उन्हें केक खाने की खाहिश भी होने लगी। मैंने एक अखबार में से ये केक बनाने की विधि सीख ली। पर यह तो बताओ, केक बने कैसे हैं?"

मैंने जवाब दिया, "बहुत बढ़िया, लेकिन जड तुम थोड़ा-सा क्यों नहीं चखते?" उस समय निश्चय ही मैंने एक आह सुनी।

जड़ बोला, "मैं? मैं पेनकेक कभी नहीं खाता।"